

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

समक्ष : अशोक शिवहरे  
सदस्य

निगरानी प्र० क० 736-तीन/2014 विरुद्ध आदेश दिनांक  
17-09-2013 पारित तहसीलदार, बकस्वाहा जिला छतरपुर प्रकरण क्रमांक  
94/अ-3/2012-13.

बसेताबाई पुत्री कमलापत  
नि० ग्राम दरदौनिया, तह० बकस्वाहा,  
जिला छतरपुर, म०प्र०

— आवेदक

विरुद्ध

- 1- खड़िया पिता जगन्नाथ अहीर  
नि० ग्राम दरदौनिया, तह० बकस्वाहा,  
जिला छतरपुर, म०प्र०
- 2- मध्यप्रदेश शासन

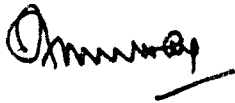
— अनावेदकगण

श्री अशोक कुमार जैन, अभिभाषक - आवेदक  
श्री सुरेश रजक, अभिभाषक- अनावेदक क०-1

आदेश

(आज दिनांक 11. 8 . 2014 को पारित)

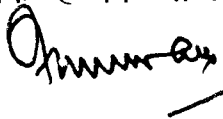
यह निगरानी का आवेदनपत्र मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959  
(जिसे आगे केवल संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के अन्तर्गत तहसीलदार,  
बकस्वाहा जिला छतरपुर के प्रकरण क्रमांक 94/अ-3/2012-13 में पारित  
आदेश दिनांक 17-09-2013 से असन्तुष्ट होकर प्रस्तुत किया गया है।



2/ प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं कि अनावेदक खड़िया तनय जगन्नाथ द्वारा अपने भूमिस्वामी स्वत्व की भूमि खसरा नं0 58/4 तथा 1/1 कुल किता 2 कुल रकबा 1.137 हे0 पर पटवारी अभिलेख में लाल स्याही से नक्शा तरमीम करने हेतु आवेदनपत्र संहिता की धारा 70 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया। तहसीलदार ने दिनांक 07-12-12 को प्रकरण पंजीबद्ध कर इशतहार जारी करने तथा राजस्व निरीक्षक को नक्शा तरमीम प्रस्ताव पेश करने के आदेश दिये। राजस्व निरीक्षक द्वारा नक्शा तरमीम प्रस्ताव पेश करने पर तहसीलदार ने अपने आदेश दिनांक 17-09-13 द्वारा राजस्व निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत तरमीम प्रस्ताव दिनांक 13-8-13 को स्वीकार किया है और तदनुसार नक्शा तरमीम के आदेश दिये हैं। इस आदेश के विरुद्ध आवेदक द्वारा यह निगरानी राजस्व मण्डल में प्रस्तुत की गयी है।

3/ मैंने उभय पक्ष के विद्वान अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर गम्भीरतापूर्वक विचार किया तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया। आवेदक के विद्वान अभिभाषक का तर्क है कि आवेदक के भूमिस्वामी स्वत्व की भूमि खसरा नं0 58/5 है। नक्शा तरमीम प्रस्ताव तैयार करने के पूर्व आवेदक को कोई सूचना नहीं दी गयी। आवेदक के स्वत्व एवं कब्जे की भूमि पर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा नक्शा तरमीम के आदेश दिये हैं जो त्रुटिपूर्ण है। अतः उन्होंने निगरानी स्वीकार करने का अनुरोध किया।

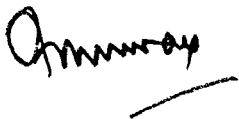
4/ अनावेदक क0-1 के अभिभाषक का तर्क है कि अनावेदक के स्वत्व की भूमि ख0नं0 58/4 पर पटवारी नक्शे में पूर्व से पेन्सिल से तरमीम है। अनावेदक द्वारा लालस्याही से नक्शा तरमीम करने हेतु आवेदन तहसील न्यायालय में ख0नं0 58/4 एवं 71/1 में करने हेतु प्रस्तुत किया। राजस्व निरीक्षक द्वारा विधिवत सूचना आवेदक तथा अन्य सरहदी कृषकों को दी, किन्तु आवेदक द्वारा सूचनापत्र पर हस्ताक्षर नहीं किये गये। उनका यह भी तर्क है कि राजस्व निरीक्षक द्वारा मौके पर विधिवत नक्शा तरमीम प्रस्ताव



तैयार किया गया है जिसकी जानकारी आवेदक को थी। आवेदक द्वारा समयावधि बाह्य निगरानी प्रस्तुत की है। अतः उन्होंने निगरानी खारिज करने का अनुरोध किया।

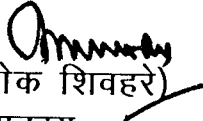
5/ इसके जबाब में आवेदक के अभिभाषक का तर्क है कि नक्शा तरमीम की कोई जानकारी आवेदक को नहीं थी। आवेदक द्वारा आदेश की जानकारी होने पर जानकारी के दिनांक से समयावधि में निगरानी प्रस्तुत की गयी है तथा विलम्ब को माफ करने हेतु आवेदन म्याद अधिनियम की धारा 5 के अन्तर्गत शपथपत्र के साथ प्रस्तुत किया है जिसका खण्डन अनावेदक द्वारा नहीं किया गया है।

6/ तहसील न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से स्पष्ट है कि तहसीलदार द्वारा दिनांक 07-12-12 को प्रकरण पंजीबद्ध कर इशतहार जारी करने के आदेश दिये। इस आदेश के पालन इशतहार का प्रकाशन किया गया, इशतहार की प्रति तहसील न्यायालय के अभिलेख पृष्ठ 8-9 पर है। तहसील न्यायालय के अभिलेख पृष्ठ 14 पर पटवारी हल्का द्वारा जारी सूचनापत्र दिनांक 3-6-13 है जिसमें दिनांक 9-6-13 को समय 11 बजे अनावेदक की भूमि 58/4 व 71/1 का मौके पर जाकर तरमीम किये जाने का उल्लेख है। इस सूचनापत्र के क्रमांक 1 पर बसेताबाई का नाम अंकित है, किन्तु उसके हस्ताक्षर नहीं है। राजस्व निरीक्षक ने पंचनामें में अंकित किया है कि 'बटाधारियों को लिखित सूचना दी गयी. वसेताबाई द्वारा सूचनापत्र पर हस्ताक्षर करने से मना कर किया गया।' इससे स्पष्ट है कि नक्शा तरमीम के पूर्व इशतहार का प्रकाशन भी किया गया और बटाधारियों को सूचनापत्र भी जारी किया गया, इसलिये यह नहीं माना जा सकता कि नक्शा तरमीम की कार्यवाही बटाधारियों को सूचना दिये बिना की गयी। अनावेदक द्वारा आवेदनपत्र के साथ प्रस्तुत नक्शा टेस की सत्य-प्रतिलिपि एवं राजस्व निरीक्षक द्वारा प्रस्तावित नक्शा टेस से स्पष्ट है कि जिस स्थान पर ख0नं0



58/4 की पेन्सिल से तरमीम है उसी स्थान पर राजस्व निरीक्षक द्वारा अनावेदक की भूमि नक्शा तरमीम प्रस्ताव में दर्शायी है। यह भूमि आवेदक की कब्जे की किस प्रकार है, इस संबंध में कोई भी प्रमाण आवेदक द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया। ऐसी दशा में निगरानी में हस्तक्षेप करने का पर्याप्त आधार नहीं है।

7/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी आवेदन खारिज किया जाता है। तहसीलदार का आदेश दिनांक 17-09-13 यथावत रखा जाता है।

  
(अशोक शिवहरे)  
सदस्य,  
राजस्व मण्डल, म0प्र0